

# बीकानेर में गिरे ओले, श्रीडूंगरगढ़ में खेतों में सफेद चादर बिछी

पुनदलसर गांव से चार किलोमीटर तक ओलों की चादर

## ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान



बीकानेर, (कास)। गुरुवार के बाद शुक्रवार को भी बीकानेर के कई हिस्सों में बारिश हुई है। वहीं, श्रीडूंगरगढ़ में शुक्रवार को जमकर ओलावृष्टि हुई। खेतों में ओलों की चादर बिछ गई। इससे फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका है। श्रीडूंगरगढ़ के पुनदलसर, सालासर, दुसाराणा की रोही में ओले गिरे। कई इलाकों में चारों तरफ ओले ही ओवे नजर आईं। बर्बाद फसलों को देखकर किसान मायूस हो गए। उन्हें अब उम्मीद और सहारा केवल राज से ही शेष रहा है। पुनदलसर गांव से 4 किलोमीटर तक आधुनी रोही में खेतों में ओलों की चादर बिछ गई। किसानों ने बताया- फसल को भारी नुकसान हुआ है। सरसों और चने की फसल लगभग बर्बाद हो गई है। सालासर की रोही में भी ओलावृष्टि हुई है।

सिंचित किसानों को बड़ा नुकसान हुआ है। गांव दुसाराणा में सरसों की फसल को काफी नुकसान हो रहा है। ओलावृष्टि के चलते बीकानेर जिले में कई जगह नुकसान हो चुका है। लूणकरनसर के दर्जनभर गांवों में पिछले एक महिने में तीन बार ओलावृष्टि हो चुकी है। लूणकरनसर के साथ महाजन, खाजूवाला, अरजजनसर और अब श्रीडूंगरगढ़ में भी नुकसान हो चुका है।

## आफत की बारिश, किसान त्रस्त



फागी क्षेत्र में कटी पड़ी गेहूं की फसल को भारी नुकसान हुआ है।

फागी, (निर्स)। कस्बे एवं आसपास के सम्पूर्ण क्षेत्र में आफत की बारिश बरसी, जिससे अनदाताओं के चेहरे पर मायूसी छा गयी। दो दिन से क्षेत्र में हो रही बारिश से खेतों में खड़ी फसल को भारी नुकसान हुआ तो कटी गयी फसलें खेतों भरे पानी में तैरती नजर आयी।

फागी कस्बे से लगे ग्राम लसाडिया एवं आसपास ओलों की बारिश ने किसानों रूला दिया। तैयार

फसल चौपट होने से किसान टगा सा महसूस करने लगा। लसाडिया के किसान दुर्गासिंह ने कहा कि खेत में कटी पड़ी गेहूं की फसल को भारी नुकसान हुआ है, आखिर दोष भी दे तो किस। वहीं दूसरी ओर किसान खोदू मानहाला का कहना है कि दो दिन से क्षेत्र में हो रही हल्की तो कहीं भारी बारिश से आमजन त्रस्त एवं टगा सा महसूस करने लगा है।

## कहीं झमाझम, कहीं रिमझिम

जोधपुर, (कास)। प्रदेश में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का असर 30 मार्च तक सक्रिय रहने के आसार थे, मगर उसका असर आज भी देखने को मिला। प्रदेश के कई स्थानों पर बारिश हुई। बूदाबांदी बाद में कहीं कहीं मूलसाधार में तब्दील हो गई। सड़कों पर पानी बहने के साथ घरों में भी पननालें शुरू हो गईं। बैमौसम बारिश से किसानों की चिंता बढ़ गई है। कट चुके खाद्यानों को नुकसान होने की प्रबल संभावना है। होली पर फसलें कटी है जोकि खेतों में अब भी बिछी पड़ी है। शनिवार से विक्षोभ का असर खत्म होने पर फिर से तेज धूप खिलने के साथ गर्मी का असर बढ़ेगा।

मौसम विभाग ने प्रदेश पर 29 से 31 मार्च तक पश्चिमी विक्षोभ के असर से आंधी, बारिश एवं ओलावृष्टि की संभावना व्यक्त की थी। जोधपुर संभाग के जोधपुर, जैसलमेर में तेज बारिश के आसार बताए थे। पिछले दो दिनों से मारवाड पर बादलों की आवक बनी हुई थी। आज सुबह तक तो तेज धूप खिली रही। मगर दोपहर एक बजे के बाद अचानक से आसमां काली घटाओं में घिरने लगा। बूदाबांदी से शहर में छितराई बारिश आरंभ हो गई।

# लाम्बाहरिसिंह व लावा कस्बे बंद रहे, आमरण अनशन 11 दिन से जारी

मालपुरा को जिला बनाने की मांग



जनप्रतिनिधियों व प्रबुद्धजनों ने 11 दिन से अनशन पर बैठे युवाओं से समझावश की।

मालपुरा, (निर्स)। मालपुरा को जिला बनाने की मांग को लेकर गैर राजनैतिक मंच कोर कमेटी के बैनर तले 13 दिन से चल रहे जनआंदोलन के समर्थन में शुक्रवार को लाम्बाहरिसिंह व लावा कस्बा पूर्ण रूप से बंद रहा। व्यापारी व ग्रामीणों ने ज्ञापन सौंप 5 हजार से अधिक हस्ताक्षर किये।

जिला बनाओ कोर कमेटी के प्रतिनिधि मंडल में शामिल पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामविलास चौधरी, बार एसोसिएशन अध्यक्ष व सहवृत्त पार्षद प्रेमप्रकाश सैनी, कन्हैयालाल सैनी, गोपाल गुर्जर व महिला कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष आशा नामा सहित ब्लाक कांग्रेस कमेटी एवं नगरपालिका पार्षदों ने शुक्रवार को अजमेर पहुंच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को कोर कमेटी का मांग पत्र सौंप मालपुरा को जिला बनाने की मांग करते हुए जिला बनने के तथ्यात्मक दस्तावेजों की रिपोर्ट सौंपी।

खादी भंडार सभागार में डॉ. सुरेन्द्र व्यास ने प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि सत्वर वल्लभ भाई पटेल व भैरू सिंह शेखावत ने नवीन जिले बनाने से पहले भौगोलिक व राजस्व सहित सभी पहलुओं पर मंथन कर बिना राजनैतिक दबाव के जिले बनाये थे। लेकिन मुख्यमंत्री गहलोत ने नवीन जिलों के गठन के मापदण्डों को नजरअंदाज कर 19 जिलों को अजमेर राजस्थान में जनता को आंदोलन का रास्ता दिखाया है। साथ ही व्यास ने बताया कि वर्ष 1947 में आजादी के बाद जयपुर जिला बोर्ड एक्ट कानून लागू कर चार जिलों का गठन करते हुए सवाई जयपुर, झुंझु, मालपुरा व सवाईमाधोपुर को जिला

## अनशनकारी युवाओं से मिले पूर्व शिक्षा मंत्री सुरेन्द्र व्यास व विधायक कन्हैयालाल एवं पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी

बनाया गया था। लेकिन इस दौरान रियासतों के चल रहे विलयकरण के चलते चारों जिलों को गठन पर पुनर्विचार के लिए 22 जुलाई 1950 को एक कमेटी का गठन किया गया। जिसमें अपनी रिपोर्ट तीन साल में पूरी कर सौंपने के बाद जिलों के पुनर्गठन में टोक को जिला बना मालपुरा को कमिश्नरी बनाया गया।

कमेटी व सरकार को इस रिपोर्ट के जिलों के गठन में मालपुरा की हुई अन्देखी पर मदन सिंह वगैरह ने बनाम कलेक्टर सोकर के राजस्थान हाईकोर्ट में 16 अप्रैल 1953 को वाद दायर कर मालपुरा को ही जिला बनाने की मांग की थी। लेकिन 76 साल पूर्ण हो जाने के बाद भी जिला मुख्यालय को सभी सुविधा व मापदण्ड पूरे होने के बावजूद मालपुरा को जिला नहीं बनाया गया। इसी का परिणाम है कि आज मालपुरा में बच्चा-बच्चा शहर से गांव-ढाणी तक आंदोलन कर रहा है।

विधायक कन्हैयालाल चौधरी, पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. सुरेन्द्र व्यास व पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी ने जनप्रतिनिधियों के साथ एसडीएम आवास के सामने तीन दिन से आमरण अनशन पर बैठे पूर्व विधायक रणवीर पहलवान व 11 दिन से आमरण अनशन एवं तीन दिन से मौन व्रत लिये धरना व अनशन पर बैठे स्वप्निल भडाना, कमलेश सैनी, प्रधान जाट हिन्दु, के धरना स्थल पर पहुंच समझावश का प्रयास करते हुए कहा कि

जिला मुख्यालय बनने के सभी मापदण्ड पूर्ण रखते हुए 76 साल से मालपुरा को जिला बनाने की मांग उठ रही व क्षेत्रवासियों के अधिकारों की अन्देखी कर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा चुनाव से 9 माह पूर्व चुनावी कार्ड खेलते हुए रामलुभाया कमेटी की तथ्यात्मक रिपोर्ट को नजर अंदाज कर अपने चेहरे को राजनैतिक लाभ पहुंचाने के लिए ग्राम पंचायत स्तर की दूत को जिला बना दिया। इतना ही नहीं नवीन जिले बनाने के लिए रामलुभाया कमेटी की रिपोर्ट सरकार को सौंपी जाने के बाद डॉ. रघु शर्मा ने केकडी को जिला बनाने का प्रस्ताव रखने के बावजूद सीएम ने केकडी को भी जिला बना दिया, जो कि नैतिक व कानून तौर पर गलत है।

ऐसे में मालपुरा को जिला बनाने के लिए शुरू किया गया यह आंदोलन लम्बा चलेगा। तीनों ही जनप्रतिनिधियों व शहर के प्रबुद्धजनों ने अनशनकारियों से अनशन समाप्त कर धरना प्रदर्शन सहित अन्य आंदोलन के जरिए अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ने का प्रस्ताव रखा। जिसे तीनों अनशनकारी युवाओं ने अस्वीकार कर राज्य सरकार अथवा रामलुभाया कमेटी की घोषणा अथवा आश्वासन के बाद ही अनशन तोड़ने का अपना निर्णय सुना मौन व्रत ले लिया। डॉ. व्यास ने आमजन से अपील करते हुए शनिवार को 11 बजे धरना स्थल पहुंच अनशनकारियों का अनशन समाप्त करने की कि अपील करें।

## तेज बरसात के साथ ओले गिरे

झुंझु, (निर्स)। पश्चिमी विक्षोभ के कारण अचल में बरसात का दौर लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को भी जारी रहा। कई स्थानों पर तेज बरसात के साथ ओले गिरे। बरसात व ओलावृष्टि से किसानों को नुकसान हुआ है। दोपहर में आसमान में बादलों की आवाजाही के कारण धूप-छांव का खेल शुरू हुआ। इसके बाद काले बादलों के आने से दिन में अंधेरा सा हो गया और बूदाबांदी का दौर शुरू हुआ। जो चंद्र मिटनों में रिमझिम व तेज बरसात में तब्दील हो गया। शहर में करीब 20 मिन्ट बरसात का दौर चला। इसके बाद आसमान एक बार फिर साफ हो गया और धूप खिली। जिले के मंडला कस्बे में भी तेज बरसात हुई। कस्बे में बरसात के साथ ओलावृष्टि हुई। इससे बाजार

सहित लोगों के घरों की छत व गलियों में ओलों की चादर बिछ गई। बरसात के कारण खेतों में काटकर रखी फसल को नुकसान हुआ। किसान ओलों व बरसात के बीच ही फसल बचाने का जतन करते रहे। मौसमी बीमारियों के मरीज बढ़े- इधर, मौसम के बार-बार बदलने के कारण मौसमी बीमारियों के मरीज बढ़ गए हैं। निजी चिकित्सालयों के चिकित्सकों की राइट टू हेल्थ बिल के विरोध में तब्दील हो गया। शहर में करीब 20 मिन्ट बरसात का दौर चला। इसके बाद आसमान एक बार फिर साफ हो गया और धूप खिली। जिले के मंडला कस्बे में भी तेज बरसात हुई। कस्बे में बरसात के साथ ओलावृष्टि हुई। इससे बाजार



झुंझु, जिलेभर में बदले मौसम के साथ बारिश और ओलावृष्टि भी हुई। बारिश के किसानों के चेहरे पर शिकन नजर आ रही है। गेहूं की फसल कटाई की जा रही है और कई जगह लगभग काट कर खेतों में रखी हुई है। जिसको बारिश और ओलावृष्टि ने प्रभावित किया है। बारिश की आशंका के चलते निकटवर्ती गांव सोती में एक खेत में कटी पड़ी गेहूं की फसल को बारिश से बचाने के लिए किसान अजय ने तिरपाल लगाकर कुछ इस तरह जतन किया।

## खेत बने दरिया, किसान हुए मायूस

पाटन, (निर्स)। किसानों की फसल लगभग पक कर तैयार खड़ी है तथा चने, सरसों एवं कई जगहों पर गेहूं की कटाई भी शुरू हो चुकी है। ऐसे में बैमौसम की बारिश ने किसानों को रूला दिया है वहीं खेत भी पानी के दरिया बन चुके हैं। अधिकांश फसल पहले अत्यधिक ठंड में खराब हो चुकी थी। रही सही कसर चैत्र माह में लगातार बारिश कर खराब कर दी है। चैत्र मास के समापन पर व वैशाख लगते लगते लगभग किसान अपनी फसल की कटाई कर लेते हैं परंतु इस वर्ष तो पानी कुदरत ने किसानों पर कहर ही ढा दिया है। किसानों के खेतों में कटी हुई सरसों पड़ी है तो कई खेतों में कटे हुए चने पड़े हैं। गेहूं की फसल पक कर खड़ी हुई है परंतु बारिश और ओलावृष्टि से अधिकांश फसल चौपट हो चुकी है। इस प्राकृतिक आपदा से किसानों को जो नुकसान हुआ है उसके आंसू पोखने वाला भी कोई नहीं है। सरकार ने अत्यधिक ठंड में खराब हुई सरसों की फसल का मुआवजा देने का वायदा तो किया है लेकिन क्या इस बारिश और ओलावृष्टि का मुआवजा सरकार दे पाएगी।

## थानागाजी, मालाखेड़ा व बालेटा में ओले गिरे

अलवर, (निर्स)। अलवर के थानागाजी, मालाखेड़ा व बालेटा के आसपास शुक्रवार दोपहर बाद 30 मिन्ट तक ओले गिरे। थानागाजी में सरिस्का के पास ओलों से दूर तक घरती सफेद हो गई। खेतों में खड़ी फसल चौपट हो गई है, किसानों को मोटा नुकसान हो गया। 7 दिन पहले अलवर टहला, राजगड क्षेत्र में ओलों से पूरी फसल चौपट हो चुकी है। अब बालेटा-मालाखेड़ा के आसपास कई किलोमीटर में ओले बिछ गए। जिससे किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बालेटा के किसानों ने बताया कि गेहूं की फसल चौपट हो गई। सरसों की कटाई हो चुकी थी, लेकिन सरसों पूरी तरह चौपट हो गई। यहां किसानों को मोटा नुकसान हुआ है। किसानों का कहना है कि सरकार को किसानों की मदद करनी चाहिए। तुरंत गिरदावर रिपोर्ट कराकर किसानों को मुआवजा देना चाहिए ताकि उनको कुछ राहत मिल सके।

## तेज हवाओं के साथ बारिश हुई

टोंक, (निर्स)। जिला मुख्यालय सहित आसपास के इलाकों में भी तेज हवाएं चल रही हैं और तेज हवाओं के साथ बैमौसम बारिश हुई तो शुक्रवार को दोपहर बाद बादल छाने के साथ ही हल्की बारिश हुई। जिला मुख्यालय पर बीती रात्रि को अचानक हवाएं चलना शुरू हो गई और उसके साथ ही बारिश का दौर शुरू हो गया, अचानक बारिश का दौर शुरू होने से किसानों के सामने परेशानी खड़ी हो गई और बारिश के चलते खेतों में खड़ी व कटी हुई पड़ी गेहूं, चने की फसलों को नुकसान हुआ। वहीं बारिश के चलते रामनवमी के साथ शायी ब्याह का मजा फिरका हो गया। शायी ब्याह के आयोजकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं शुक्रवार को सुबह धूप निकलने के बाद दोपहर बाद मौसम बदल गया और बादल छाने के साथ गर्जना के साथ हल्की बारिश हुई। बैमौसम बारिश का दौर चलने से किसानों की पकी पकाई फसलों को नुकसान हुआ।

## कटी फसलों को हुआ नुकसान

खिरौड़, (निर्स)। क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर को तेज बरसात हुई। जिससे खेतों में कटी कटाई बड़ी फसल में नुकसान हुआ। फसल में नुकसान होने से किसान निराश नजर आने लगे हैं। क्षेत्र के कुछ इलाके में चने के आकार के ओले भी गिरे। किसान सांभरमल गिला ने बताया कि क्षेत्र की कैमरी ढाणी एवं पास पडोस के इलाके में चने के आकार के ओले गिरने से गेहूं चने आदि की फसल में काफी नुकसान हुआ है। ओले गिरने से खेतों में फसल को नुकसान होने से किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने प्रशासन से बरसात ओलों से गड़ हुई फसल का मुआवजा दिए जाने की मांग की है।

# संजीवनी सोसायटी: चार और प्रकरण दर्ज

मोटा मुनाफा और निवेश के नाम पर लोगों से सोसायटी ने की थी ठगी

जोधपुर, (कास)। मोटा मुनाफा और निवेश के नाम पर लोगों से ठगी करने वाली सोसायटी संजीवनी के खिलाफ चार और प्रकरण सरदारपुरा थाने में दर्ज हुए हैं। इससे पहले इसी थाने में आधा दर्जन केस दर्ज किए जा चुके हैं। सरदारपुरा पुलिस ने बताया कि चौथी बी रोड सरदारपुरा निवासी गोपाल शर्मा पुत्र नंदलाल शर्मा और कनोजिया भवन 11 वीं रोड निवासी ओमप्रकाश पुत्र श्यामलाल कनोजिया ने रिपोर्ट दी कि उन्होंने संजीवनी का ऑर्गेनिजेशन सोसायटी लिमिटेड के नसरानी सिनेमा के पास स्थित शाखा में निवेश किया। लेकिन सोसायटी ने उनका पैसा वापस नहीं लौटाया। इसी प्रकार बलदेव नगर शिव मंदिर के पास रहने वाली सावित्री सोनी पत्नी रूपाराम सोनी ने और आमली का बासपाणी मंदिर के पास रहने वाली रेनु सोनी पत्नी तुलसीराम सोनी ने भी अलग अलग प्रकरण सरदारपुरा थाने में दर्ज करवाए हैं। इससे

पहले कल एक साथ करीब एक दर्जन मामले दर्ज कराए गए थे। क्या है संजीवनी घोटाला:- संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी को राजस्थान सोसायटी एक्ट के तहत 2008 में रजिस्टर्ड कराया गया था। इसके बाद 2010 में ये सोसायटी मल्टी स्टेट कोऑपरेटिव सोसायटी के रूप में बदल गई। इस सोसायटी के पहले मैनेजिंग डायरेक्टर विक्रम सिंह थे, जो घोटाले की जांच में प्रमुख नाम भी हैं। विक्रम सिंह को ही इस पूरे घोटाले का मास्टरमाइंड माना जाता है, जिनकी गिरफ्तारी भी हो चुकी है। संजीवनी पीडित संघ का दावा है कि कोऑपरेटिव सोसायटी में लोगों ने भारी रकम निवेश की थी, लेकिन उन्हें पैसा वापस नहीं किया गया और उसका गलत तरीके से गबन कर लिया गया। इधर यह मामला एक बार फिर सुर्खियों में तब आया जब पीडितों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात

कर अपना पैसा दिलाने की मांग की। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के जोधपुर दौरे के समय पीडितों के एक शिष्टमंडल से मुलाकात की तथा मदद की मांग की। राज्य के विभिन्न जिलों से आए पीडितों ने मुख्यमंत्री को करोड़ों रुपये की ठगी के साथ-साथ अपनी विगडती आर्थिक स्थिति से अवगत कराया। पीडित इस मामले में केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की भी भूमिका बता रहे हैं। मुख्यमंत्री गहलोत ने पीडितों को भरोसा दिलाया और कहा कि उनकी सरकार पीडितों की जमा राशि को वापस दिलाने का हर संभव प्रयास करेगी। इसके बाद से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लगातार पीडित परिवारों से मुलाकात कर रहे हैं। इससे लोगों को आशा जगी कि उनकी मेहनत की कमाई अब वापस मिल जाएगी। यही कारण है कि जो पीडित अब तक चुप बैठे थे, वे भी आगे आकर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज

कराने लगे हैं। इधर मुख्यमंत्री ने शेखावत को लेकर बयान बाजी शुरू कर दी। इसका परिणाम यह हुआ कि सीएम अशोक गहलोत और केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत आमने-सामने आ गए हैं। गहलोत जहां इस घोटाले में गजेन्द्र सिंह शेखावत के शामिल होने की बात कर रहे हैं तो वहीं शेखावत सीएम के खिलाफ कोर्ट पहुंच गए। इसके बाद भी गहलोत इस मामले को लेकर जोधपुर से सांसद और केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत पर घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाते रहे हैं। गहलोत ने शेखावत को चेलैज करते हुए कहा कि यदि आप बेकसूर हैं तो गरीबों का पैसा दिलाने के लिए आगे क्यों नहीं आते? वहीं शेखावत, गहलोत को चेलैज करते हुए कह रहे हैं कि अगर आरोप सही हैं तो साबित करिए अपने खिलाफ लग रहे आरोपों के बाद गजेन्द्र सिंह

शेखावत ने गत शनिवार को दिल्ली की एक अदालत में एक शिकायत भी दर्ज कराई थी। अपनी शिकायत में उन्होंने मुख्यमंत्री गहलोत पर आरोप लगाया था कि संजीवनी घोटाले से नाम जोड़कर उन्हें बदनाम किया जा रहा है। दूसरी तरफ राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर खंडपीठ ने यूनियन ऑफ इंडिया समेत सभी 17 पक्षकारों को नोटिस जारी किया है। नोटिस पाने वालों में केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और उनकी पत्नी नोनंद कंवर का नाम भी शामिल है। हाईकोर्ट ने ये नोटिस संजीवनी पीडित संघ की याचिका पर सुनवाई करते हुए जारी किए हैं। राजस्थान हाईकोर्ट में दायर याचिका में बताया गया है कि संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी ने लोगों से भारी निवेश कराया, निवेशकों को फर्जी रिकॉर्ड पोस्टर दिखा कर धोखे में रखा गया। ये पूरा घोटाला करीब 900 करोड़ का बताया जा रहा है।

## निजी चिकित्सकों ने सरकारी अस्पताल के सामने झाड़ू लगाई



नवलगढ़ कस्बे में निजी चिकित्सकों ने झाड़ू लगाकर आरटी.एच. विधेयक का विरोध किया।

नवलगढ़, (निर्स)। कस्बे के निजी चिकित्सकों ने आरटीएच के विरोध में सरकारी अस्पताल के सामने झाड़ू लेकर सड़क पर सफाई कर रोष प्रकट किया। डॉ. मिनाक्षी जांगिड ने अपने उदबोधन में कहा

कि सरकार अपने दिलों दिमाग के कचरा सफ करे। नकारात्मक सोच को निकाले और ठंडे दिमाग से सोचकर कानून बनाए और इस काले कानून आर्टीएच को हटाए। सफाई अभियान में डॉ. मनीष जांगिड, डॉ. राजेश सैनी, डॉ. प्रदीप

सिंगोदिया, डॉ. हेमंत गुप्ता, डॉ. आभा गुप्ता, डॉ. हरिओम शर्मा, डॉ. मिनाक्षी जांगिड, डॉ. विवेक, डॉ. नवल सैनी, डॉ. कैलाश सैनी, डॉ. जितेंद्र चौधरी, डॉ. अमित सैनी आदि चिकित्सक तथा अस्पताल के स्वास्थ्यकर्म उपस्थित रहे।